

- चोर की दाढ़ी में तिनका = दोषी व्यक्ति सदा सशक्त रहता है, किसी के सामान्य कथन को भी अपने ऊपर कहा गया मानकर उत्तेजित हो उठता है।
- चोर-चोर मौसेरे भाई = एक समान प्रवृत्ति वाले लोगों में घनिष्ठता बहुत जल्दी ही हो जाती है।
- छछूँदर के सिर में चमेली का तेल = 1. क्षुद्र व्यक्ति बढ़चढ़कर बातें करता है।  
2. किसी को ऐसी चीज की प्राप्ति जिसके वह योग्य न हो।
- छोटे मुँह बड़ी बात = मर्यादा का ध्यान न रखते हुए बढ़चढ़कर बातें करना।
- जंगल में मोर नाचा, किसने देखा = अपने, गुण, योग्यता, वैभव आदि का ऐसे स्थान पर प्रदर्शन करना जहाँ उसका महत्व समझने वाला कोई न हो।
- जहाँ चाह, वहाँ राह = मन में तीव्र इच्छा हो तो लक्ष्य प्राप्ति का मार्ग सुलभ हो जाता है।
- जाको राखे साइयाँ मार सके न कोय = जिसका ईश्वर रक्षक है, उसे कोई नहीं मार सकता।
- जाके पाँव न फटी बिवाई, सो का जाने पीर पराई = जिसने जीवन में कभी कष्ट, मुसीबत न झेली हो, वह दूसरे के कष्ट का अनुभव नहीं कर सकता।
- जिसका काम उसी को साजै।  
जिसकी बँदरी वही नचावै = जिसका जो काम हो यदि वही उसे करे तो अच्छा प्रतीत होता है अर्थात् इससे काम बिगड़ता नहीं।
- जिसकी लाठी उसी की भैंस = जिसके पास शक्तिबल है, वह दूसरे की वस्तुओं पर अन्याय पूर्वक अधिकार जमा लेता है।
- जिस पत्तल में खाए उसी में छेद करे = अपने आश्रयदाता या उपकारक के प्रति अपकार करने वाला व्यक्ति, कृतघ्न।
- जैसा देश वैसा भेष = व्यक्ति जहाँ रहे वहाँ के अनुसार रीति-रिवाज आदि नियमों का पालन करना ही सर्वथा उचित है।
- जैसा राजा वैसी प्रजा = किसी देश का शासक (गुण आदि की दृष्टि से) जिस प्रकार का होगा, उस देश की प्रजा भी वैसी ही होगी।
- जैसी करनी, वैसी भरनी = कर्म के अनुसार फल भोगना, अथवा जैसे कर्म होंगे वैसा ही फल भोगना पड़ेगा।